eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Vol. 02, Issue 02, February 2024

उच्च शिक्षा एवं शिक्षक शिक्षा के संदर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का विश्लेषणात्मक अध्ययन

[1]सिमलेश शर्मा
[2]कल्पना गुप्ता
[1]शोधार्थिनी, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट दयालबाग आगरा।
[2]असिस्टेंट प्रोफेसर, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट दयालबाग आगरा।

Received: 15 Feb 2024 Accepted & Reviewed: 25 Feb 2024, Published : 29 Feb 2024

Abstract

भारत सरकार द्वारा 29 जुलाई, 2020 को लागू की गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अर्थात तीसरी राष्ट्रीय शिक्षा नीति है। इस नई शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक विद्यार्थी के साथ–साथ पूरे देश को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और दुनिया भर में भारत की शिक्षा को उजागर करना है। इस नीति के मसौदे को मुख्यताः चार भागों में विभाजित किया गया है, अर्थात् भाग–1 (विद्यालय शिक्षा), भाग–1 (उच्च शिक्षा), भाग–3 (अन्य प्रमुख क्षेत्र) और भाग–4 (इसे साकार करना) वर्तमान शिक्षक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करता है जो उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भाग–2 में शामिल है। वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य शिक्षक शिक्षा के संबंध में NEP 2020 की शिफारिशों का विश्लेषण करना है। शोध पत्र की प्रकृति गुणात्मक है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि शिक्षक शिक्षा पर नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि करेगी और शिक्षक शिक्षा प्रणाली को विश्व स्तरीय संदर्भ में प्रस्तुत करेगी एवं शिक्षक शिक्षा की सिफारिशों को लागू करने के लिए भी शोधकर्ताओं द्वारा सुझाव दिए गए हैं।

मुख्य शब्द– राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, शिक्षक शिक्षा, विधार्थी, गुणवत्ता पहलू।

Introduction

परिचय – स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से, भारत के सभी नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए, शिक्षक शिक्षा के "गुणवत्ता" पहलू में सुधार लाने के लिए कई नीतिगत हस्तक्षेप किए गए हैं। इनमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968, 1986 और छम्च 2020 प्रमुख हैं।

भारत में NEP 2020 की सिफारिशों का एक महत्वपूर्ण विश्लेषण है कि लगभग सत्ताईस वर्षों के लंबे अंतराल में भारत सरकार ने 29 जुलाई, 2020 में तीसरी राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनपीई 2020) में भारत की शिक्षा प्रणाली (पूर्व–प्राथमिक से उच्च शिक्षा) की रूपरेखा और व्यापक दृ ष्टिकोण दिया गया है। भारत सरकार ने 2030 तक इस नीति की सिफारिश को पूरा करने का निर्णय लिया है। इस नई नीति का उद्देश्य विद्यार्थियों के साथ–साथ संपूर्ण देश को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और भारत की शिक्षा को विश्व स्तर पर उजागर करने से है।

यह सच है कि शिक्षक हमारे समाज की रीढ़ हैं। शिक्षण संस्थानों में ही नहीं बल्कि संस्थानों के बाहर भी एक गैर–बाध्यकारी गतिविधि है। वे हमारे समाज में परिवर्तन लाते हैं और सुधार करते हैं। शिक्षा की गुणवत्ता बहुत हद तक शिक्षक पर निर्भर करती है, पढ़ाने वाले शिक्षक पर अन्य शिक्षकों को प्रशिक्षण देना

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Vol. 02, Issue 02, February 2024

शिक्षकों के शिक्षा कार्यक्रम पर निर्भर करता है। सरकार के सहयोग से विभिन्न आयोगों और समितियों द्वारा विभिन्न नीतियों, सिफारिशों और प्रारूपों के लिए गहरी नजर रखी जाती है। पहले इसे शिक्षक प्रशिक्षण के रूप में जाना जाता था लेकिन अब इसे शिक्षक के रूप में जाना जाता है। 'प्रशिक्षण' शब्द के शाब्दिक अर्थ में एक छोटी सी अवधारणा 'शिक्षा' शब्द के मोटे तौर पर एक एक बड़ा अंतर है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पूरे विश्व में शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों पर जोर दिया जा रहा है। शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए, विभिन्न समितियों और आयोगों ने विभिन्न सिफारिशें की हैं, जिनमें से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने अलग–अलग सिफारिशें की हैं और विभिन्न गठन किए हैं। इस शोध पत्र का उद्देश्य यह समीक्षा करना है कि 2020 में शिक्षक शिक्षा पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने क्या सिफारिश की है और उन सिफारिशों के फायदे और नुकसान क्या है पर विचार किया है।

अध्ययन का उद्देश्य

1. NEP 2020 के अनुसार शिक्षक की भूमिका पर चर्चा करना।
2. नीति की अनुशंसा के गुणों पर चर्चा करना।
3. नीति की अनुशंसा की सीमाओं पर चर्चा करना।
4. शिक्षक शिक्षा के संबंध में एनपीई 2020 की अनुशंसा का परीक्षण करना।
5. कुछ सुझाव देना

अध्ययन के शोध प्रश्न

1. शिक्षक शिक्षा के संबंध में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की क्या सिफारिशें हैं?
2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार शिक्षक की क्या भूमिका है?
3. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्या लाभ हैं?
4. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सीमाएँ क्या हैं?
5. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने के लिए क्या सुझाव हैं?

शिक्षक शिक्षा के संबंध में एनपीई 2020 की अनुशंसा का विश्लेषण

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में जनजातीय परंपरा सहित बहु–विषयक दृष्टिकोण, मूल्यों, भाषा और लोकाचार पर जोर दिया गया है।
- शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में व्यावसायीकरण को रोकने के उपाय किये गये हैं।
- एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण की शुरूआत पर विशेष जोर दिया गया है।
- शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शैक्षणिक संस्थानों के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए कदम उठाए गए हैं।
- शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए शिक्षक शिक्षा में छात्रों के प्रवेश के लिए एक प्रवेश परीक्षा शुरू करने का प्रस्ताव दिया गया है।
- शिक्षा संकाय प्रोफ़ाइल में शिक्षा विभाग का उद्देश्य आवश्यक रूप से विविध होना है और अनुसंधान अनुभव को अत्यधिक महत्व दिया जाना है।
- अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में शोध कार्य पर विशेष बल दिया गया है।

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Vol. 02, Issue 02, February 2024

- प्रौद्योगिकी मंच जैसे प्लेटफार्मों के उपयोग पर जोर दिया गया है
- सेवाकालीन शिक्षक शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु स्वयं/दीक्षा पोर्टल सहायता करेगा।
- समग्र विश्लेषण से पता चलता है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में जो सिफ़ारिशें की गई हैं उनमें शिक्षा नीति से शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में मदद मिलेगी। शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में बहुविषयक की शुरुआत की जाएगी जिससे शिक्षक शिक्षण के क्षेत्र में एक नया क्षितिज खुलेगा। इस प्रथा का उल्लेख भारतीय मूल्य और प्रथा में किया गया है।

- संकाय प्रोफ़ाइल में शिक्षा विभाग का उद्देश्य आवश्यक रूप से विविध होना है और अनुसंधान अनुभव को अत्यधिक महत्व दिया जाना है।

- शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में शोध कार्य पर विशेष जोर दिया गया है।

समग्र विश्लेषण दर्शाता है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षक शिक्षा पर की गई सिफारिशें शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने में मदद करेंगी। शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में बहुविषयक की शुरुआत की जाएगी जिससे शिक्षक शिक्षण के क्षेत्र में एक नया क्षितिज खुलेगा। अभ्यास में भारतीय मूल्य और संस्कृति का उल्लेख किया गया है और शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में शोध कार्य पर विशेष जोर दिया गया है, विविधता और बहु–प्रतिभाशाली, सक्षम, अनुभवी और विशेषज्ञ अनुसंधान संकाय को संकाय में बनाए रखना होगा। शिक्षक शिक्षा संस्थानों की रूपरेखा. और ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म जैसे प्लेटफॉर्म का उपयोग। शिक्षक शिक्षा पर नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सभी सिफारिशें शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाएंगी और विश्व स्तरीय संदर्भ में व्यापक स्तर पर प्रस्तुत करेंगी। एजीपीई द रॉयल गोंडवाना रिसर्च जर्नल ऑफ हिस्ट्री, साइंस, इकोनॉमिक, पॉलिटिकल एंड सोशल साइंस। भारत में शिक्षक शिक्षा में सुधार के लिए NEP 2020 की सिफारिशों का एक महत्वपूर्ण विश्लेषण है।

NEP 2020 के अनुसार शिक्षक की भूमिका– शिक्षा प्रणाली में सबसे महत्वपूर्ण तत्वों में एक शिक्षक है। शिक्षा को त्रिस्तरीय प्रक्रिया मानने से शिक्षक के स्थान के महत्व का एहसास संभव है। यद्यपि शिक्षक–केंद्रित शिक्षा पुराने ज़माने की शिक्षक–केंद्रित शिक्षा से बदलकर आज अधिक छात्र–केंद्रित शिक्षा में बदल गई है, शिक्षक का स्थान हमेशा निर्विवाद है। शिक्षक के माध्यम से ही शिक्षण और सीखने की पूरी प्रक्रिया आगे बढ़ती है। इतना ही नहीं, शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया की प्रभावशीलता शिक्षक के कौशल पर निर्भर करती है। जॉन एडम्स ने शिक्षक को "मनुष्य का निर्माता" माना है। इसलिए अकादमिक सोसायटी के निदेशक के रूप में, शिक्षक छात्रों को वांछनीय रूप से आगे बढ़ने में मदद करता है।

शिक्षकों को होना राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, चाहिए–

- बहुभाषा एवं संस्कृति के ज्ञाता हों।
- परामर्शदाता और सुविधाप्रदाता (सीखने में सहायता करता है।
- शिक्षकों का सकारात्मक रवैया बढ़ता जा रहा है।
- शिक्षकों को विषय का ज्ञाता होना चाहिए।

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Vol. 02, Issue 02, February 2024

बहु–विषयक– भारत में शिक्षक शिक्षा में सुधार के लिए NEP 2020 की सिफारिशों का एक महत्वपूर्ण विश्लेषण प्रगतिशील रवैया है उम्र और समाज में बदलाव के साथ ही एक शिक्षक को एक प्रगतिशील मानसिकता रखनी होगी क्योंकि एक शिक्षक के लिए प्रगतिशील मानसिकता का होना आवश्यक है। विश्व, समाज एवं मानव सोच में निरंतर परिवर्तन हो रहे हैं जिसके कारण शिक्षकों के लिए निम्नलिखित का ज्ञान होना जरूरी है –

- तकनीकी का ज्ञान होना आवश्यक – वर्तमान समय में लगातार आधुनिक तकनीकी का बोलबाला है। शिक्षा के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के विभिन्न आविष्कार शिक्षा के क्षेत्र को समृद्ध कर रहे हैं इसलिए एक शिक्षक के लिए तकनीकी का ज्ञान होना और प्रौद्योगिकी के साथ जागरूक रहना अति महत्वपूर्ण है। नई शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा में प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग के लिए विशेष सिफारिशें की गई हैं।

- शिक्षण पद्धति के बारे में एक स्पष्ट विचार की आवश्यकता– एक शिक्षक के पास एक स्पष्ट विचार होना आवश्यक है। क्योंकि कक्षा शिक्षण पद्धति, शिक्षाशास्त्र और शिक्षण सामग्री के ज्ञान के बारे में यह जानना महत्वपूर्ण है कि कक्षा में छात्रों की आवश्यकताओं और क्षमताओं के अनुसार कौन सी शिक्षण पद्धति सीखने को रुचिकर बनाएगी।

- भावुक और प्रेरित– कक्षा में छात्रों में उचित रुचि पैदा करने और बनाए रखने के लिए प्रेरणा की आवश्यकता होती है। शिक्षक पाठ से पहले अपने प्रेरक भाषण के माध्यम से छात्रों को प्रेरित कर सकता है ताकि शिक्षण समझ में आ सके।

- बहु–विषयक ज्ञान की आवश्यकता– एक शिक्षक को केवल विषयगत ज्ञान के अलावा विभिन्न विषयों में ज्ञान भी होना आवश्यक है क्योंकि वर्तमान शिक्षा प्रणाली में बहु–विषयक दृष्टिकोण को महत्व दिया गया है।

- बहुसांस्कृतिक और बहुभाषी के बारे में ज्ञान– एक कक्षा में छात्रों की विविधता देखी जा सकती है जिसमें छात्र एक धर्म, भाषण या संस्कृति से आ रहे हैं या दूसरा छात्र दूसरे धर्म या संस्कृति से आ रहा है।

शिक्षक को सभी छात्रों के साथ संवाद और बातचीत करनी होती है तो एक शिक्षक के पास बहुसांस्कृतिक गुण और बहुभाषा का ज्ञान होना ही चाहिए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के गुण–

यह शिक्षा नीति शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाएगी और शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में शुरू हुए व्यावसायीकरण को रोकेगी।

शिक्षक शिक्षा संस्थानों को शिक्षण स्टाफ, सामग्री और बुनियादी ढांचे जैसे विभिन्न पहलुओं में समृद्ध किया जाएगा। जैसा कि NEP 2020 में कहा गया है कि सभी शैक्षणिक संस्थान जिनके पास एन.सी.टी.ई नियमों के अनुसार उचित बुनियादी ढांचा नहीं है, उन्हें एक साल का समय दिया जाएगा। जिसमें या तो वे मानदंड पूरा कर लें या मानदंड पूरा न करने वाले शिक्षक या शिक्षा संस्थानों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें।

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Vol. 02, Issue 02, February 2024

शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में बहुविषयक इनपुट बनाया जाएगा जिससे शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर खुलेंगे और भारत में विश्व स्तरीय शिक्षा प्रणाली का निर्माण होगा। एकीकृत चार वर्षीय स्नातक डिग्री शुरू करने से इस क्षेत्र में नए अवसर खुलेंगे।

- ऐसी शिक्षा जो भावी शिक्षकों को अधिक सुशिक्षित बनाने में सक्षम बनाएगी।
- भारत में शिक्षक शिक्षा में सुधार के लिए NEP 2020 की सिफारिशों का एक महत्वपूर्ण विश्लेषण किया जायेगा।
- सार्वजनिक एवं निजी शिक्षक शिक्षा संस्थानों के बीच समन्वय बनाया जायेगा।
- नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से प्रवेश परीक्षा और एप्टीट्यूड टेस्ट लेने की बात चल रही है। और कुछ प्रवेश परीक्षा कराई भी जा रही हैं।
- सेवापूर्व शिक्षक प्रशिक्षण में प्रवेश के समय शिक्षा की गुणवत्ता बरकरार रखी जा सके या सुनिश्चित की जा सके।
- AGPE द रॉयल गोंडवाना रिसर्च जर्नल ऑफ हिस्ट्री, साइंस, इकोनॉमिक, पॉलिटिकल एंड सोशल साइंस
- भारत में शिक्षक शिक्षा में सुधार के लिए सार्वजनिक और निजी शिक्षक शिक्षा संस्थानों के बीच समन्वय के लिए NEP 2020 की सिफारिशों का एक महत्वपूर्ण विश्लेषण किया जाएगा।
- सेवापूर्व शिक्षक प्रशिक्षण में प्रवेश के समय नेशनल टेस्टिंग एजेंसी से प्रवेश परीक्षा और एप्टीट्यूड टेस्ट लेने की बात हो रही है ताकि शिक्षा की गुणवत्ता बरकरार रखी जा सके।

सीमाएँ

- नई शिक्षा नीति में शिक्षक शिक्षा में सुधार के लिए कई सिफारिशें की गई हैं लेकिन उसमें कोई नया पाठ्यक्रम विकसित नहीं किया गया है। शिक्षक शिक्षा का वर्तमान पाठ्यक्रम है पारंपरिक शिक्षा और सैद्धांतिक पाठ्यक्रम है जिसमें व्यावहारिक संभावनाओं का अभाव है।
- सेवा–पूर्व शिक्षक शिक्षा में प्रवेश के लिए, राष्ट्रीय शिक्षा नीति इस बात पर विशिष्ट दिशा निर्देश प्रदान नहीं करती है कि छात्र चयन के लिए प्रवेश परीक्षा क्या होगी और छात्रों के लिए न्यूनतम योग्यता क्या होगी।
- नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में उल्लिखित योजना के कार्यान्वयन में समस्या आने की स्थिति में अधिकांश शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान में अपर्याप्त ढांचागत है और वे आर्थिक रूप से भी बहुत कमजोर हैं।
- नई शिक्षा नीति में शिक्षक शिक्षा की एक वर्ष की अवधि की विशेष रूप से आलोचना की जा रही है। इस एक वर्ष की अवधि के दौरान, शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं में गिरावट आएगी और छात्रों को इंटर्नशिप के संबंध में समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

सुझाव

- निजी शिक्षक शिक्षा संस्थानों और उन शिक्षक शिक्षण संस्थानों में सुधार के लिए एक विशिष्ट समय सीमा की आवश्यकता है जो बुनियादी ढांचे और शिक्षण उपकरणों के मामले में कमजोर हैं।
- नई शिक्षा नीति के अनुसार शिक्षक का एक विशिष्ट पाठ्यक्रम बनाना आवश्यक है। शिक्षक प्रशिक्षण की अवधि और इंटर्नशिप के बारे में स्पष्ट जानकारी दी जाए।

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Vol. 02, Issue 02, February 2024

- सेवा–पूर्व शिक्षकों के प्रशिक्षण के मामले में, छात्रों को अपनी प्रवेश परीक्षा के विषय के बारे में स्पष्ट जानकारी होनी चाहिए।

निष्कर्ष

- शिक्षा व्यवस्था को कहां तक ले जाने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति अहम भूमिका निभाएगी।
- एक नया स्तर और शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।
- यह महत्वपूर्ण है कि भारत की शिक्षा प्रणाली को विश्व स्तरीय संदर्भ में प्रस्तुत करने में मदद करें।
- भारत में शिक्षक शिक्षा में सुधार के लिए NEP 2020 की सिफारिशों का एक बड़ा कदम है।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति शिक्षा व्यवस्था को नए स्तर पर ले जाने में अहम भूमिका निभाएगी और शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता बनाए रखने में बेहद महत्वपूर्ण है।
- यह भारत की शिक्षा प्रणाली को विश्व स्तरीय संदर्भ में प्रस्तुत करने में मदद करेगा।

हालाँकि, इस बात पर ज़ोर देना ज़रूरी है कि नई शिक्षा नीति का कार्यान्वयन कितनी जल्दी संभव है और इसे लागू करने से पहले पिछली शिक्षा की विभिन्न समस्याओं का समाधान करके नई शिक्षा नीति को कैसे लागू किया जा सकता है।

संदर्भ सूची–

1. https://timesofindia.indiatimes.com/blogs/edutrends-india/nep-2020- empowering-the-teacher/
2. https://www.linkedin.com/palse/nep-2020-reforms-teachers-ramesh-pokhriyal-निशांक- 28/01/2021
3. चंद, बी. और हलदर, टी. (2021)। शिक्षा का दार्शनिक परिप्रेक्ष्य, अहेली प्रकाशक कोलकाता।
4. पूरी, नताशा (30 अगस्त 2019). ए रिव्यू ऑफ़ द नेशनल एजुकेशन पॉलिसी ऑफ़ द गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया थे नीड फॉर डाटा और डायनामाइज्म इन द 21st सेंचुरी.SSRN
5. कुमार, ए. (2021)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की चुनौतियों और अवसरों के आलोक में शिक्षक शिक्षा, जर्नल ऑफ़ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च 8(3), 2137-2142
6. सुखारे, जे.एस. (2020)। एनईपी 2019: एनईपी की विशेषताएं और शिक्षक की भूमिका, एजुकेशना रिसर्जेंस जर्नल, 2(3), 36-42
7. एमएचआरडी, भारत सरकार (2019) – मानव संसाधन विकास मंत्रालय – नेव
8. एमएचआरडी, समग्र शिक्षा कार्यान्वयन के लिए स्कूल शिक्षा ढांचे के लिए एक एकीकृत योजना मसौदा दस्तावेज।
9. कुमार के. (2005). क्वालिटी ऑफ़ एजुकेशन एट द बिगिनिंग ऑफ़ द 21st सेंचुरी लेसन फ्रॉम इंडिया इंडियन एजुकेशनल रिव्यू सेकंड ड्राफ्ट नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2019
10. एनसीईआरटी (2005), राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा 2005.